मकड़ी की आँखें

मकड़ी रोई, मकड़ी रोई,
उसकी बात समझे ना कोई,
चिड़िया और गिलहरी साथ,
मकड़ी कर रही थी बात।

बोली गिलहरी, मेरी आँखें हैं दो,
चिड़िया बोली, मेरी भी दो,
मकड़ी बोली, मेरी आठ,
हँसे गिलहरी-चिड़िया साथ।

यह देख मकड़ी झल्लाई,
सबको फिर यह बात बताई,
आँखें हैं मेरी आठ,
इसमें हँसने की क्या बात!

दोनों आँखों से मैं देखूँ,
आगे-पीछे, इधर-उधर,
बाकी आँखें सिग्नल देतीं,
होता कहीं खतरा अगर।

गिलहरी-चिड़िया थे हैरान,
आज मिला उनको यह ज्ञान,
मकड़ी की होतीं आँखें आठ,
समझ आ गई अब यह बात?

मकड़ी भी फिर मुस्कुराई,
ज़ोर से ताली बजाई,
मुझमें है यह बात निराली,
मैं हूँ 'आठ आँखों' वाली।

विद्यया ऽमृतमश्नुते
प्रारंभिक शिक्षा विभाग
Department of Elementary Education
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
एन सी ई आर टी
NCERT
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

संकल्पना — सुनीति सनवाल   रचनाकार — सुचेता त्यागी   चित्रांकन — सान्या जैन

21164
₹ 30.00

CC-BY-NC-SA

सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशन प्रभाग में प्रकाशित।